● शिशु समाधियों की जमीन चर्च को अलाट किये जाने पर विरोध प्रदर्षन

हिन्दू बच्चों को दफनाये जाने वाली जमीन को जम्मू डैवलपमैंट अर्थाटी (जेडीए) द्वारा चर्च को अलाट किये जाने पर बजरंग दल ने विरोध प्रदर्शन कर इसका कड़ा विरोध जताया है। बजरंग दल के महानगर संयोजक श्री राकेश शर्मा ने कहा कि कासिम नगर की यह जमीन जिस पर हिन्दू बच्चों को सदियों से दफनाया जाता रहा है, एक साजिश के तहत सरकार ने चर्च को अलाट कर दी है जिसे कतई बर्दाशत नहीं किया जायेगा। उन्होंने जेडीए व सरकार से अपील करते हुये कहा कि यह अलाटमैंट तुंरत निरस्त की जाये और इस जमीन को शिशु समाधियों के लिए ही सुरक्षित रखा जाये। इस अवसर कर्ण शर्मा, गोंविद सहित अन्य सैकड़ों बजरंग दल के कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

● सरकार की मिलीभगत के चलते ही कत्लकानों की संख्या बढ़ रही है – खेम चन्द्र

विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय मंत्री श्री खेम चन्द्र ने जम्मू में एक पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुये कहा कि देश में भारतीय नस्ल की गाय को खत्म करने का षड़यंत्र चल रहा है। पश्चिमी देशों ने देसी गाय को पीछे कर अन्य नस्लों का प्रचार किया जिसके चलते हमारे स्वास्थ्य व कृषी को नुकसान पहंचा है। उन्होंने कहा कि पूरे देश की तरह जम्मू में भी भारतीय गौ रक्षण संवर्धन परिषद का गठन किया गया है जिसके माध्यम से लोगों को देसी गाय के प्रति जागरूक किया जायेगा। परिषद द्वारा 24 –25 जुलाई को जम्मू के अखनूर क्षेत्र में एक प्रशिक्षण कैंप लगाया जायेगा जिसमें जैविक खेती, गौमूत्र व गोबर से तैयार हो रही दवाईयों के बारे में जानकारी के साथ–साथ कार्यकर्त्ताओं को प्रशिक्षण भी दिया जायेगा।उन्होंने बताया कि गौमूत्र से बनी दवाईयां आज यहां कैंसर, सफेद दाग व चर्मरोग जैसे असाध्य रोगों पर लाभदायक सिद्ध हो रही हैं वहीं गोबर से ऐसी खाद्य का निर्माण हो रहा है जिससे ढाई गुणा पैदावार बढ़ सकती है। उनका कहना था कि एक गाय बिना दूध दिये भी किसान को पांच हजार रूपये मासिक दे सकती है।

बढ़ती बिमारियों को रोकने व बंजर होती जमीन को बचाने के लिए देसी गाय के गौबर से तैयार खाद्य ही एकमात्र रास्ता है। जैविक खेती द्वारा ग्लोबल वार्मिंग जैसे मुद्दों पर भी किसी हद तक विजय पाई जा सकती है। उन्होंने सरकार को आड़े हाथ लेते हुये कहा कि यहां देशभर 36 कत्ल खाने होते थे आज उनकी संख्या बढ़कर 3600 हो गई है जिनमें हंजारों अवैध रूप से चल रहे हैं। सरकार की मिली भगत व प्रोत्साहन के चलते ही इन कत्लखानों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय नस्ल को खत्म करने के षड़यंत्र के चलते ही प्रतिदिन एक लाख के करीब गायों का कत्ल हो रहा है।

जम्मू–कश्मीर में बढ़ती तस्करी की बारदातों पर चिंता चताते हुये उन्होंने कहा कि सरकार राज्य में बने कानून को सख्ती से लागू करे। जम्मू संभाग में बंजर हो रही जमीन को बचाने के लिए देसी गाय की नस्ल को बचाने व उसके सही उपयोग हेतु परिषद ने कमर कस ली है।